

॥ संह मे शु य तु णी ॥

== : : आधार ग्रंथ : : ==

शोध प्रबंध के विवेच्य भगवतीचरण वर्मा के आधार ग्रंथ

- | | | | |
|-----|---|---|---|
| 11। | इन्स्टालमेन्ट | - | भारती भंडार, लीडर भवन,
3, लीडर मार्ग, इलाहाबाद- 211001
। छठा संस्करण- सन 1987।। |
| 12। | दो बकि | - | भारती भंडार, लीडर प्रेस,
इलाहाबाद, चतुर्थ संस्करण,
मूल संस्करण 1935 |
| 13। | मेरी प्रिय कहानियाँ | - | राजपाल एण्ड सन्ज,
काश्मीरी गेट, दिल्ली-6,
दूसरा संस्करण 1876 |
| 14। | भगवतीचरण वर्मा के
प्रतिनिधी कहानियाँ | - | राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.,
8, नेताजी सुभाष मार्ग,
नई दिल्ली- 110002
पहला संस्करण 1983 |
| 15। | मोर्चाबन्दी | - | राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.
8, नेताजी सुभाष मार्ग,
नई दिल्ली- 110002
द्वितीय संस्करण 1978 |

====

सहायक और संदर्भ ग्रंथ
=====

- | | | |
|---|-----------------------------|---|
| 11। भगवतीचरण वर्मा: "चित्रलेखा" से
1 सीधी सच्ची बातें" तक | डा. कुसुम वाष्पेय | साहित्य भवन, प्रा. लि.
इलाहाबाद,
प्रथम संस्करण- 1968 |
| 12। व्यक्तिवादी एवं नियतिवादी
चेतना के संदर्भ में उपन्यासकार
भगवतीचरण वर्मा | डा. रमाकान्त
श्रीवास्तव | वाणी प्रकाशन,
61, "स्फ", कमलानगर,
दिल्ली- 110007 |
| 13। भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों
में युगचेतना | डा. बेजनाथ
प्रसाद शुक्ल | प्रेम प्रकाशन मंदिर
3012, बल्ली मारान,
दिल्ली- 110006
प्रथम संस्करण- 1977 |
| 14। अमृतलाल नागर के उपन्यास | डा. हेमराज
कौशिक | प्रकाशन संस्थान,
4715/21, दयानन्द मार्ग
दरियागंज, नई दिल्ली
प्रथम संस्करण 1985 |
| 15। प्रेमचन्द परम्परा की कहानियों
में पारिवारिक एवं सामाजिक
चित्रण | डा. राजेन्द्रकुमार
शर्मा | प्रगति प्रकाशन,
आगरा- 282003
प्रथम संस्करण- 1984 |
| 16। हिन्दी उपन्यास समाज
और व्यक्ति का द्वन्द्व | डा. मंजुला गुप्ता | सूर्य प्रकाशन, नई सड़क,
दिल्ली- 110006
प्रथम संस्करण- 1986 |
| 17। स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी
का विकास | डा. सुबेदार राय | अनुभव प्रकाशन,
105/727, श्री नगर
कानपुर- 1981 |

- 18। हिन्दी उपन्यासों में
सामन्तवाद डा. कमल गुप्ता अभिनव प्रकाशन,
नई दिल्ली-110002
प्रथम संस्करण- 1979
- 19। भगवतीचरण वर्मा की रचनाओं
का प्रतिनिधी संकलन,
"अर्पित मेरी भावना" तम्पाटक-धर्मवीर
भारती श्रीलाल गुक्त
सुरेन्द्र तिवारी राजकमल प्रकाशन,
दिल्ली- पटना
- 100। प्रेमचन्द साहित्य में व्यक्ति
और समाज डा. रधा पुरी
- 111। हिन्दी कहानी में
यथार्थवाद डा. नूरजहाँ अभिनव भारती,
42, सम्मेलन मार्ग,
इलाहाबाद-211003
प्रथम संस्करण- 1976
- 112। संदर्भमूलक शब्दकोश ओम् प्रकाश गावा बी.आर.पब्लिशिंग
कारपोरेशन,
दिल्ली- 110052
1986
- 113। हिन्दी कहानी
उद्भव और विकास डा. सुरेश सिन्हा अशोक प्रकाशन, नई सड़क,
दिल्ली
प्रथम संस्करण- 1967
- 115। स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी ग्रामीण
कहानियों में प्रतिबिम्बित कृष्णा राजाराम
पाटील
समाज-जीवन।पीएच.डी.
उपाधि के हेतु प्रस्तुत शोध।
प्रबंध

पत्रिका:- "रविवार सकाळ" दिनांक 11/10/1981, कोल्हापुर

